



यह विलेख आज दिनांक 10-2-2006 को डा० सुकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह निवासी मेरा
कालौनी शिकोहाबाद-- फिरोजाबाद द्वारा निष्पादित किया गया है।

- | | |
|----------------------------|--------------------------------------|
| 1. द्रस्ट का नाम— | श्री जगदीश जन कल्याण एजूकेशनल द्रस्ट |
| 2. द्रस्ट का पता— | रोडवेज के पीछे मेरा कालौनी शिकोहाबाद |
| 3. द्रस्ट का कार्यक्षेत्र— | सम्पूर्ण भारत वर्ष |

शाखा कार्यालयः—

द्रस्ट की शाखायें देश के अन्य स्थानों पर स्थिति की जा सकती है।

4. द्रस्ट में लगाया गया धनः—

द्रस्ट में लगाया गया धन 5000/रु० (पाँच हजार रु०) नगद धन राशि डा० सुकेश कुमार
पुत्र श्री जगदीश सिंह द्वारा द्रस्ट के लिए समर्पित की गयी है।

भारतीय न्यास अधिनियम के अनुसार द्रस्ट एक ऐसा आभार है। जो सम्पत्ति के स्वामित्व को
आवद्ध होता है। जिसे सम्पत्ति का स्वामी स्वीकार करता है। अथवा घोषित एवं स्वीकार करता है। सम्पत्ति
का स्वामी इस प्रकार का आभार अन्य वयक्तियों के हित अथवा लाभ को स्वीकार करेगा।

5. द्रस्ट के तत्वः—

मुख्य द्रस्टी द्वारा द्रस्ट का गठन निम्न तत्वों पर आधारित है— द्रस्ट एक प्रकार का आभार है।
आभार का सम्पत्ति से जुड़ा होना स्वामित्व से आवद्ध होता है। द्रस्ट का उदय विश्वास से होता है और
प्रत्येक द्रस्ट के लिए हिताधिकारियों का होना आवश्यक है। द्रस्ट का रचियता अपनी सम्पत्ति प्रदान करके
सम्पत्ति के स्वामित्व का आभार का आवद्ध करेगा।

इस प्रकार एक द्रस्ट में आभार द्रस्टी हितधारी द्रस्ट सम्पत्ति तथा सम्पत्ति के स्वामी द्वारा
विश्वासपूर्वक आभार की अभ्युक्ति है।

Redam

Abi

मिष्टेश

ई-फुट पाइप

Gopal

जिस्टर का क्रमांक 2225 दिनांक 10-2-2005
स्टाप्प का मूल्य रुपये में 40 (पाँचांहरे)

क्रेता का नाम सुनील पाठ्य

ठिकापत्री वा नाम जगदीश चंद्र पाठ्य

वत्र व्यवहार/निवास का जस्ता नेवालोंकी खिलौनों

लखपत्र वा प्रकार दृष्टि दृष्टि

क्रेता 6 कुल क्रमांक 3450



महाराजां

स्टाप्प विक्रेता नाम-30/1/1993
नहसील परिवर्त शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

१००/५५५

100/- रुपये ब्यारा दोष छाप लगाया

क्रेता जगदीश चंद्र पाठ्य

पत्री जगदीश चंद्र पाठ्य

वेदा जगदीश निवासी जगदीश चंद्र पाठ्य

जहसील-शिकोहाबाद, जिला-फिरोजाबाद

वे यह लखपत्र कार्यालय उप निवन्दक

शिकोहाबाद जिला-फिरोजाबाद में आए

दिनांक 10-2-2005

300/- रुपये के एक दिन के लिए लगाया

10/2/05

लखपत्र का जापाहन हुने के बाद
उसमें लिखे जा वह वहल अंकारा

विसमें से अंकारा

इपरे तक भेरे तथा पाकर छाप

क्रेता जगदीश चंद्र पाठ्य नाम के लिए लगाया गया रुपये

स्वेच्छा दिला। अप्रैल 2005 की तिथि पर इसका लिए लगाया गया रुपये

जिला पाहाड़ा जगदीश चंद्र पाठ्य

पत्री जगदीश चंद्र पाठ्य

निवासी

दोष

जहसील-शिकोहाबाद व श्री (H.H) जगदीश चंद्र पाठ्य 10/2/05 को लिए लगाया गया रुपये

इसार्वजन लखक नहसील-शिकोहाबाद

10/2/05

लगाया गया रुपये

जगदीश चंद्र पाठ्य

AB

मिलेश

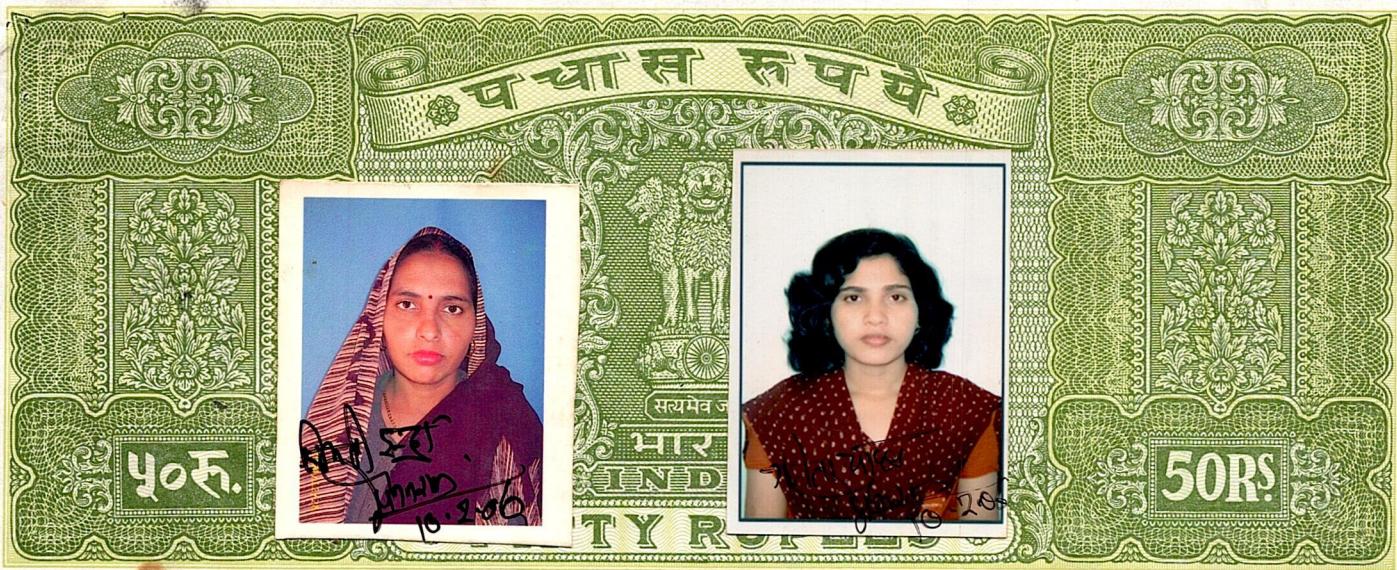
10/2/05

Cela.

Signature



लगाया गया रुपये द्वारा लिए गये रुपये
जिला पाहाड़ा व श्री (H.H) जगदीश चंद्र पाठ्य
जहसील-शिकोहाबाद में लिए गये रुपये



उपरोक्त अधिनियम व तत्वों के आधार पर द्रस्ट के निम्न द्रस्टी होंगे:-

2

117

1. डा० सुकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह – मुख्य द्रस्टी/ द्रस्टीकर्ता
मेहरा कालौनी शिकोहाबाद
2. अशोक कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह – द्रस्टी
मेहरा कालौनी शिकोहाबाद
3. मिथलेश पुत्री श्रीयुत श्रीराम कछवाई – पिलखतर फिरोजाबाद द्रस्टी
4. इन्द्रा यादव पुत्री श्री रामनरायन मुस्तफाबाद – फिरोजाबाद द्रस्टी
5. गीता यादव पुत्री श्री विद्याराम मेहरा कालौनी शिकोहाबाद द्रस्टी
6. द्रस्ट के उद्देश्यः—

1. युवक— युवतीयों के उच्च तकनीकी एवं रोजगार परख शिक्षा प्रदान करना।
2. समान उच्चदेश्य वाली संस्थाओं से सहायता प्राप्त करना एवं उनकी सहायता करना।
3. मानव कल्याण हेतु जन हित के कार्य करना।
4. जनता में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना तथा शिक्षा का प्रचार – प्रसार करना तथा विद्यालयों / उच्च शिक्षा संस्थानों/ डिग्री कालेज/ इंजीनियरिंग /तकनीकी /फार्मसी एवं कृषि शिक्षा संस्थानों की स्थापना प्रबन्धन एवं संचालन करना।

स्विधालेश

इ-डायरेक्टर

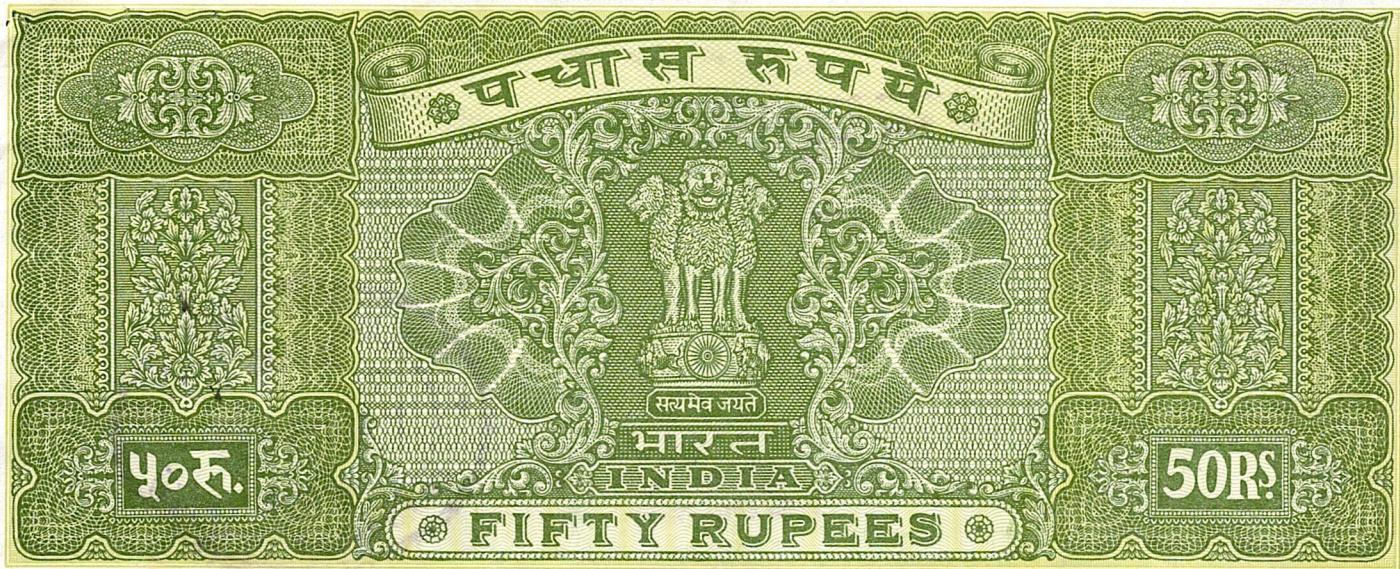
रोजेस्टर का क्रमांक २२७० दिनांक १०-२-०६
स्थाप्य का मूल ५० रुपये नाम्बर २२२५
क्रेता का नाम शुभेन्दु नाई
बहुत कित्ता ६ कुल क्रमांक ३५०२०



महेश चन्द्र

स्थाप्य विक्रेता लाठोसी-३०/१९९३
नहसील परिमर, शिकोहाबाद (दिल्लीज़ाबाद)





118

3

5. समय—समय पर विभिन्न प्रकार के समाज सेवी कार्य करना।
6. संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु वित्तीय संस्थाओं राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार अथवा निजी व्यक्तियों/जन प्रतिनिधियों से अनुदान /दान अथवा ऋण प्राप्त करना।
7. ट्रस्ट के विकास हेतु निर्धन एवं निर्वल वर्ग नागरिकों वृद्धजनों विधवा/अनाथ महिलाओं अपंग लोगों के कल्याण हेतु योजनाओं को संचालित कर नागरिकों का सर्वांगीण विकास करना।

8. ट्रस्ट के धन सम्बन्धी कार्य:-

1. ट्रस्ट में जन सामान्य द्वारा एवं टस्टियों द्वारा दिया गया धन एवं दान आदि की धन राशि ट्रस्ट द्वारा खोले गये खाते में किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा की जायेगी जो जन हित तथा ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु खर्च की जायेगीं उक्त धनराशि का लेन देन अथवा बैंक खाते का संचालन मुख्य ट्रस्टी /अध्यक्ष के हस्ताक्षरों से होगा।
2. जे0एस0 कालेज ऑफ एजूकेशन बालाजी मन्दिर शिकोहाबाद का संचालन इसी ट्रस्ट के द्वारा किया जायेगा। इस कालेज की समस्त चल अचल सम्पत्ति पर मुख्य ट्रस्टी का पूर्ण स्वामित्व रहेगा।
3. यदि किसी कारणवश ट्रस्ट द्वारा संचालित कोई भी संस्था समाप्त होती है। तो ऐसी स्थिति में संस्था की चल- अचल सम्पत्ति ट्रस्ट में स्वतः निहित हो जायेगी।

S. D. Joshi

A.S.

मिष्पलैश

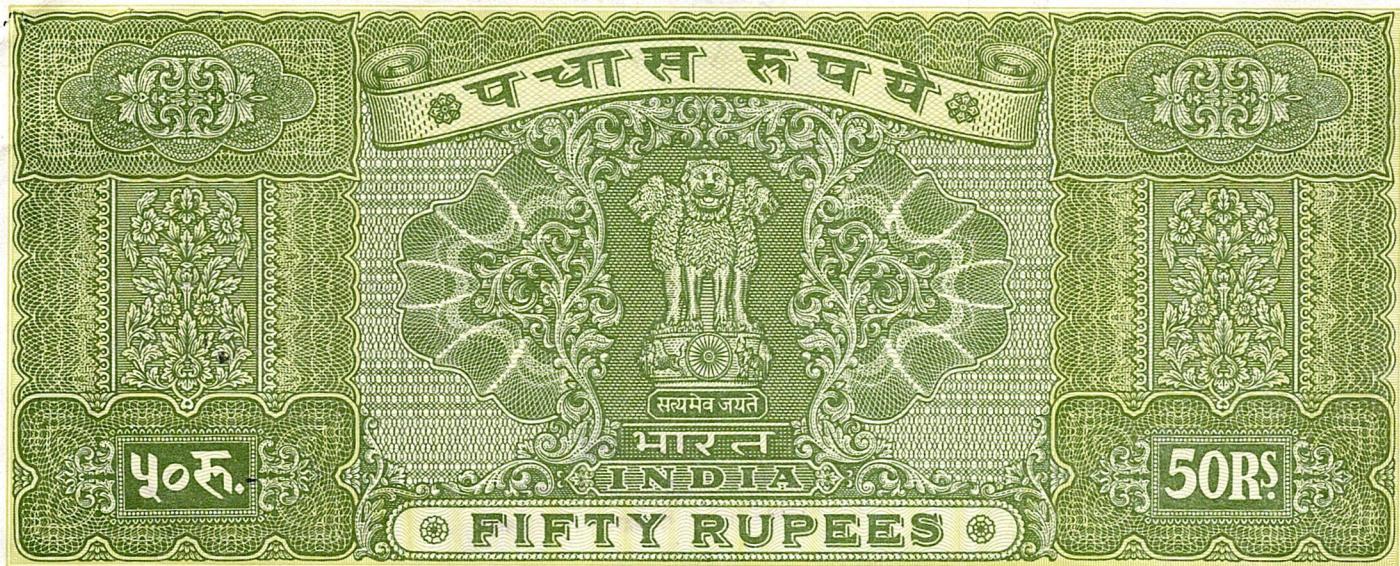
इ. जा. यादव

Gupta

राजस्टर का कमाल २२३१ दिनांक २६-२-९६
स्टाम्प का मूल ५० रुपये नामिल चालर २२३२
केता का ७ रुपये विक्रीपत्र २२३३
कुल किता ६ कुल क्रामनं ३४०२८

महेश चन्द्र
स्टाम्प विक्रेता लाइसेंस-३०/१९९३
नहमील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)



119⁴

8. द्रस्तियों की नियुक्ति:-

सभी द्रस्टी आजीवन इस द्रस्ट के सदस्य रहेंगे किसी द्रस्टी सदस्य की मृत्यु के उपरान्त उनके द्वारा नामित अथवा उनका उत्तराधिकारी ही इस द्रस्ट के द्रस्टी होगे उत्तराधिकारी में द्रस्टी का सबसे बड़ा पुत्र व पुत्र न होने पर बड़ी पुत्री द्रस्टी होंगे।

9. संचालित संस्थानों की प्रबन्ध समितियों का गठन:-

द्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय / महाविद्यालय / अन्य संस्थानों की प्रबन्ध समितियों का गठन मुख्य द्रस्टी एवं द्रस्टी मिलकर करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मुख्य द्रस्टी एवं द्रस्टी मिलकर द्रस्ट के बाहर के सदस्यों को भी प्रबन्ध समितियों में रख सकेंगे।

10. द्रस्ट प्रमुख:-

डा० सुकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह इस द्रस्ट के मुख्य द्रस्टी / द्रस्ट प्रमुख / प्रबन्धक / सचिव होंगे। इनकी मृत्योपरान्त इनके द्वारा नामित या इनका उत्तराधिकारी ही द्रस्ट प्रमुख रहेगा।

11. द्रस्तियों की संख्या:-

द्रस्तियों की संख्या मुख्य द्रस्टी सहित पाँच होगी जो निम्नवत हैः—

- | | |
|--|--|
| 1. डा० सुकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह –
मेहरा कालौनी शिकोहाबाद | मुख्य द्रस्टी / द्रस्टीकर्ता / सचिव / प्रबन्धक |
| 2. अशोक कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह –
मेहरा कालौनी शिकोहाबाद | द्रस्टी |
| 3. मिथलेश पुत्री श्रीयुत श्रीराम
कछवाई – पिलखतर फिरोजावाद | द्रस्टी / अध्यक्ष |
| 4. इन्द्रा यादव पुत्री श्री रामनरायन
मुस्तफाबाद – फिरोजाबाद | द्रस्टी |
| 5. गीता यादव पुत्री श्री विद्याराम
मेहरा कालौनी शिकोहाबाद | द्रस्टी / उपाध्यक्ष |

181

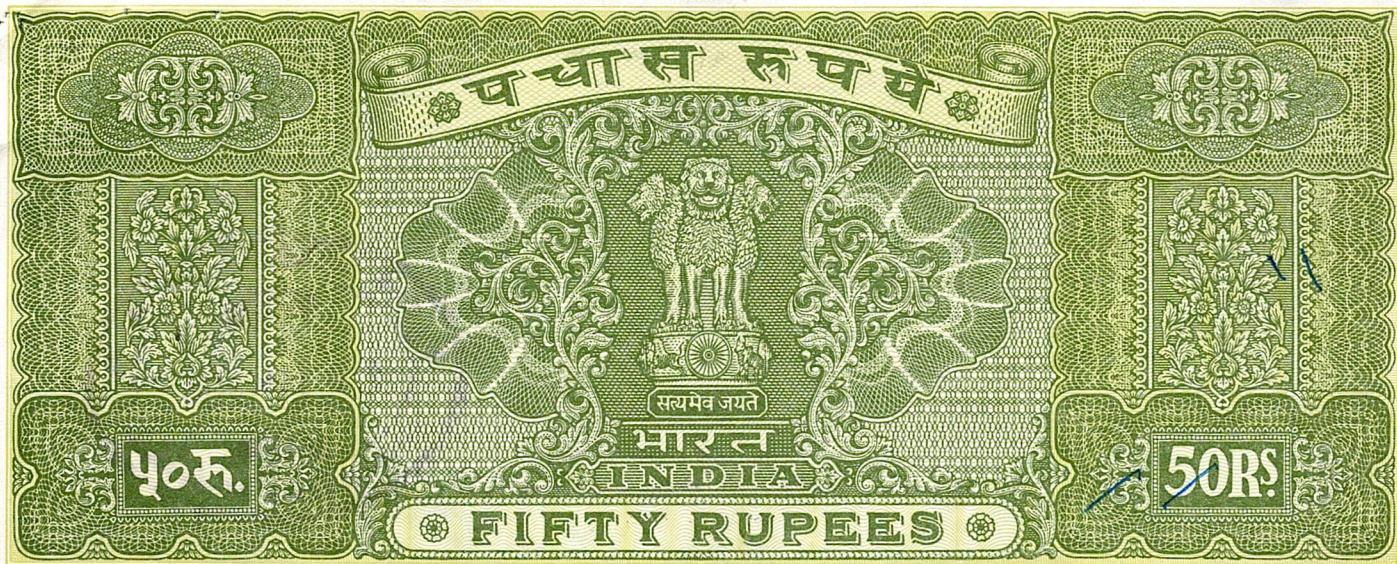
प्रियेश

इंषाप्रदक

गोलाटा का कमाल २२४२ दिवाकर ८-२-०६
 स्थाप्य का गुण ५७ ग्रं प्रेस नाश्तर २२३२
 द्वितीय का ५८ अनुसन्धान ३४५०-०
 कृत कित्त ६ कृत कामते

महाश चन्द्र
स्टाप्प विक्रेता लाठोप-30/1993
नवीन परिषद शिलोऽकाश (फिरोजानगर)





125

12. ट्रस्ट की बैठकः—

ट्रस्ट की साधारण बैठक वर्ष में कम से कम एक बार होगी। जिसकी सूचना समस्त ट्रस्टियों को एक सप्ताह (7 दिन) पूर्व दी जायेगी किन्तु विशेष बैठक किसी भी समय 24 घन्टे पहले सूचना देकर बुलाई जा सकती है बैठक अध्यक्ष एवं प्रबन्धक की सहमति से अध्यक्ष अथवा प्रबन्धक कोई भी बुला सकता है।

13. गण पूर्ति:-

बैठक में समस्त ट्रस्टियों के $\frac{2}{3}$ ट्रस्टियों का होना अनिवार्य है।

14. द्रुस्ती मण्डल के पदाधिकारियों के अधिकार एवं कर्तव्यः—

1. अध्यक्षः—

- ट्रस्टी मण्डल के अध्यक्ष ट्रस्ट की प्रत्येक सभा में एवं प्रमुख स्थानों पर सभा की अध्यक्षता करेंगे।
 - मीटिंग बुलाने के लिए प्रबन्धक को निर्देश देना।

2. प्रबन्धक / सचिवः—

- ट्रस्ट की ओर से समस्त प्रकार का पत्राचार करना मीटिंग बुलाना तथा उसकी सूचना सदस्यों तक पहुंचाना मीटिंग की कार्यवाही लिखना व प्रतिनिधित्व करना।
 - ट्रस्ट के कार्यकर्मों का प्रचार एवं प्रसार करना।
 - ट्रस्ट के हित में दान चन्दा अनुदान प्राप्त करना तथा कोष में जमा करना एवं ट्रस्ट की स्पति की देखभाल करना।
 - ट्रस्ट की ओर से समस्त प्रकार की अदालती कार्यवाही करना। एवं अध्यक्ष की अनुमति से वादों की पैरवी करना।
 - संस्था के समस्त आवश्यक दस्तावेज धन सम्बन्धी पत्रजात बन्धक विलेख आदि की सुरक्षा एवं ट्रस्टी मण्डल के समक्ष रखना।

S. Sidorov

ABY

માનુષી

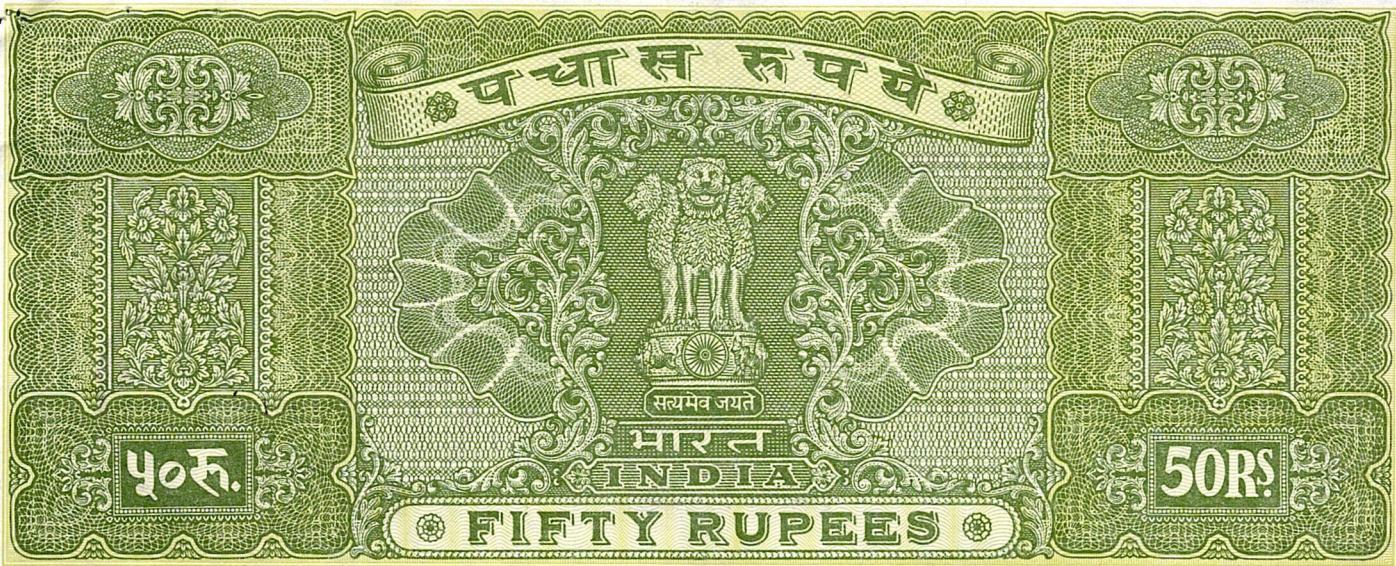
୧-୮୮

Gretz

रोजेस्टर का क्रमांक २२४३ प्राक २०-२-०६
 स्टाप्प का गुल ५०) शंखन नाम २२२५
 क्रेत का ५०) ५०) कुल क्रमांक ३५०) ००
 कुल किता ६ कुल क्रमांक ३५०) ००

महेश चन्द्र
साम्य विक्रीता लाठोस-३०/१९९३
नहानीस परिसर, शिकोहाबाद (पिंडीजावहार)





121
6

15. लेखा परीक्षकः—

ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टियों के मार्गदर्शन एवं सहमति से किसी भी ट्रस्टी सदस्य को ट्रस्ट का लेखा परीक्षक नियुक्त किया जा सकेगा। एवं मुख्य ट्रस्टी द्वारा अनावश्यक समझे जाने पर हटाया भी जा सकेगा। लेखा परीक्षक ट्रस्ट का सम्पूर्ण आय-व्यय का लेखा-जोखा रखेगा और नियमित रूप से ऑडिट कराकर मुख्य ट्रस्टी के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

ट्रस्ट के पदाधिकारी निम्नवत होंगे ।

- | | |
|----------------------|------|
| 1 अध्यक्ष | - एक |
| 2 उपाध्यक्ष | - एक |
| 3 प्रबन्धक / सचिव | - एक |
| 4 लेखपरीक्षक | - एक |
| 5 सदस्य / कोषाध्यक्ष | - एक |

Sidy

ABJ

ମିଶ୍ର

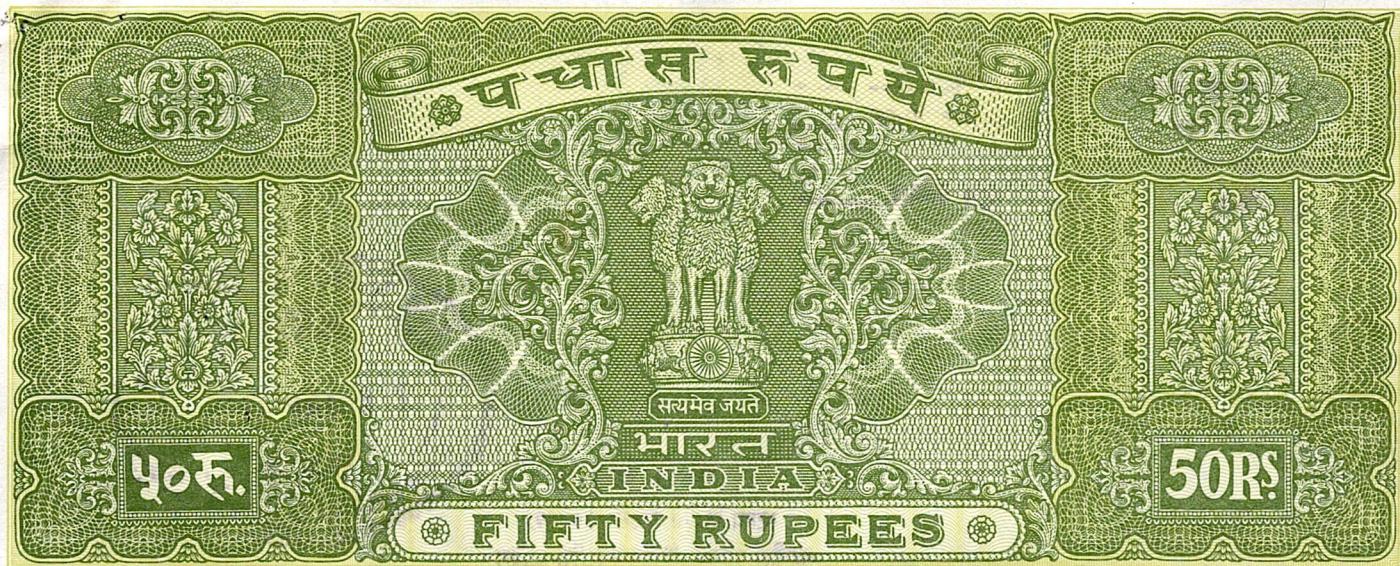
દાદા બાબુ

Gutk.

राजस्टर का कमाल २२३४ दिनांक २०-२-०६
स्टाप्प का शुल्क ५०० रुपये वित्त कानून २२२
क्रेता का ५०० रुपये ६ कुल क्रमांक ३५१००
कुल किता ६ कुल क्रमांक ३५१००

महेश चन्द्र
स्टाप्प विक्रेता नाम स०-३०/१९९३
महाराष्ट्र परिवर्त शिळोऽवाद (मिहाजाभाद)





122

उपरोक्त ट्रस्ट का गठन दिनांक 10/2/2006 को साधारण जनता के हितों व लाभों के लिए किया गया है ट्रस्ट द्वारा मुख्य रूप से शिक्षा संस्थानों / डिग्री कालेजों का संचालन किया जाना वृद्धों निर्वलों असहायों विकलांगों परित्यक्ता महिलाओं व अनाथ बच्चों की सहायता करना रोगी आदि रोग के निर्वाण हेतु तत्परता दिखाना व चिकित्सालय की स्थापना करना व ट्रस्ट सम्पत्तियों व भवनों का जीणोद्वार करने निर्धन कन्याओं के विवाह आदि करवाना व यथा समय निर्धनों को दान आदि देने का कार्य इस ट्रस्ट का उद्देश्य होगा।

अतः यह ट्रस्ट डीड मुख्य ट्रस्टी एवं अन्य ट्रस्टियों द्वारा राजी व खुशी से विना बहकाए व सिखाए व विना किसी नाजायज दवाव के अपने पूर्ण होशहवाश में परिवारी जनों से सलाह मशवरा करके लिख दिया ताकि सनद रहे और समय पर काम आए।

रजिस्टर्ड तारीख : 10/2/2006

साहा)- इन्ड्रपालोचन) पुष्प भी गुरुशब्दाचिट्ठे रिति केद्वारा बालकों। अधिकारी

सम्पूर्ण दस्तावेज लेखक प्रेमनरायन दस्तावेज लेखक
तहसील - शिकोहाबाद

Sandy

AS7

मिवलिश

५-५१ पादव

Greta

वीरभ- द०ल०- प्रेम नरायन

अनुज्ञापिता संख्या दि. ३१-३-१९६८

विधिभान्त्र स्थान नं० ५६

जिल फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश

वस्त्रावेष लेखक के हस्ताक्षर.....

राजस्टर का कमाल 22 रुपये दिनांक 90-2-06
 स्थाप्य का पूर्ण 400 रुपये विल मध्यर 22-2-2
 क्रेत का 130 22 रुपये 340
 कुल किता 340 कुल कोमते 340



महेश चन्द्र
 स्थाप्य विक्रेता ता 050-30/1993
 नहानील परिमर शिक्षणावाद (फिरोजाबाद)

नाम दिनांक 10-2-96 की इच्छाओं
 गति पुस्तक संख्या 17 संख्या 17
 रुपये 57-75 पर नम्बर 8
 इच्छाकृत (कथा या)

राजस्त्रीकरण अधिकारी
 बिहारीबाबा

नाम संख्या - ०५०७ - १९९३
 विल मध्यर 22-2-2
 नहानील परिमर शिक्षणावाद (फिरोजाबाद)
 नाम संख्या - ०५०७ - १९९३
 विल मध्यर 22-2-2